IN ANY EMERGENCY
DIAL
100
TELANGANA POLICE
www.tspolice.gov.in
@ Telangana State Police

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

परिसर विज्ञान

FREE

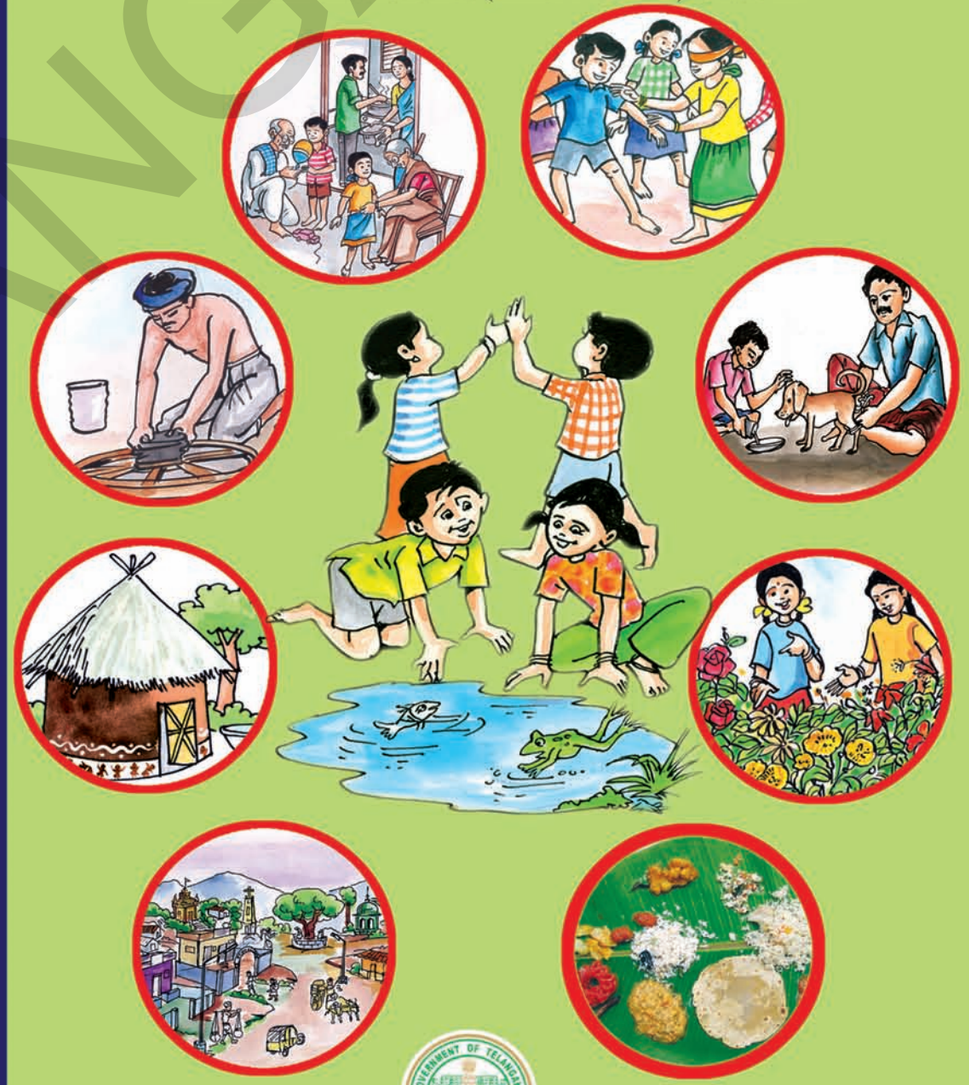

हम - हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

Environmental Studies (Hindi Medium) Class-III

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

पर्यावरण विज्ञान (EVS)

कक्षा - तीन (Class-III)

बच्चे-

- आसपास के पौधों के पत्तों, तने ओर छालों की सामान्य विशेषताएँ (आकार, रंग, बनावट, गंध आदि) तथा जंतुओं (गति, पाये जानेवाले स्थान, खोने की आदतें, ध्वनियों आदि) को पहचानते है। घर में परिवार के सदस्यों के साथ इसके संबंधों को पहचानते हैं।
- घर/पाठशाला/पड़ोस में मौजूद परिवहन, संचार के माध्यमों, साइन बोर्डों आदि) वस्तुओं चिह्नों, (घरों/आवासों के प्रकार, बस स्टैण्ड, पेट्रोल पंप आदि) स्थनों, (लोगों द्वारा किये जाने वाले कार्य, पकाने की प्रक्रियाओं आदि) क्रियाकलापों को पहचानते हैं।
- विभिन्न आयु वर्ग के लोगों, पशुओं और पक्षियों के लिए भोजन की आवश्यकता, भोजन और जल की उपलब्धता और घर और उसमें आसपास जल के उपयोग की व्याख्या करते हैं।
- विभिन्न तरीकों से पारिवारिक सदस्यों की भूमिकाओं,पारिवारिक प्रभावों (लक्षणों, विशेषताओं, आदतों, प्रथाओं) मिलजुल कर रहने की आवश्यकता की व्याख्या करते हैं।
- विभिन्न अभिप्रायों के द्वारा विभिन्नताओं व समालताओं के अनुसार क्रियाकलापों वस्तुओं, पक्षियों, पशुओं, विशेषताओं आदि को वर्गीकृत करते हैं।
- वर्तमान और प्राचीन (बड़ों के समय में) वस्तुओं और क्रियाकलापों (उदाः- कपड़ों/बर्तनों/खेले गये खेलों/लोगों द्वारा किये गये कार्यों) में अंतर करते हैं।
- चिह्नों/गैर-मानक इकाईयों (बालिश/चम्मच/मग आदि) का उपयोग करते हुए सामाग्रियों/दैनिक जीवन की गतिविधियों के परिमाणों और गुणों का अनुमान लगाते हैं जाँच करते हैं।
- चिह्नों/प्रतीकों/शब्दों का उपयोग करते हुए सामान्य मानचित्रों (घर/कक्षाकक्ष/पाठशाला के) में दिशाओं, वस्तुओं की स्थिति/स्थानों को पहमानते हैं।
- सामान्य मानचित्रों (कक्षाकक्ष, घर/पाठशाला आदि के विभागों) नारे, कविताओं, वस्तुओं के ऊपरी, समकक्ष, बाबीं, दायीं ओर के दृश्यों, मॉडलों, बनावटों, रेखाचित्रों, रूपांकनों का सृजन करते हैं।
- पास पड़ोस की विभिन्न पारिवारिक संरचनाओं और पौधों, पशुओं, वरिष्ठों, दिव्यांगों के प्रति संवेदना दर्शाते हैं।

मेरा मन चाहा बदलाव मुझसे ही होगा

1. *हमेशा अपने साथ एक थैली रखूँगा। बाज़ार में दिये जाने वाले पॉलिथिन थैली मना करूँगा।*
2. *पंप (नलकूप/अन्य स्रोत) से सीधे पानी का इस्तेमाल न करते हुए, आवश्यकतानुसार बर्तनों में पानी पकड़कर, पानी की बर्बादी को रोकूँगा।*
3. *बिजली की बचत कर, प्रतिमाह बिजली के बिलों में कटौती लाऊँगा, प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
4. *लकड़ी की सामग्री का उपयोग करने के साथ-साथ पेड़-पौधे लगाऊँगा।*
   घर के अंदर, चारों ओर पौधे मैं ही लगाऊँगा, लगवाऊँगा, उनकी रक्षा करूँगा।
5. *सूखे, गीले व्यर्थ पदार्थों (कचरा) दोनों को अलग करूँगा-कचरा लेने जाने वाले सफाई कर्मचारी को मैं ही दे आऊँगा।*
6. *पुरानी वस्तुएँ इकट्ठा कर या घर की पुरानी वस्तुएँ ज़रूरतमंदों को दूँगा।*
7. *अनावश्यक यात्राएँ कम करूँगा। जहाँ तक हो सके चार लोगों के साथ मिलकर यात्रा करूँगा। सामाजिक परिवहन सुविधा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करूँगा।*
8. *सौरऊर्जा, सूर्यकिरणों का दिन भर उपयोग कर जहाँ तक हो सके रात में बिजली के उपयोग को कम करूँगा।*
9. *कंप्यूटर में टिकट आरक्षण, ई-सेवाओं के माध्यम से बिलों का भुगतान कर जहाँ तक हो सके सड़क की भीड़-भाड़ कम करूँगा। वायु प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
10. *हरे-भरे जीवन के लिए इन दस सूत्रों... को दस लोगों में बाँटकर, कम से कम तीन लोगों द्वारा मेरी तरह पालन करने के लिए प्रयास करूँगा।*

पेड़-पौधे लगाओ - देश को हरा-भरा बनाओ।
पेड़ लगाओ - पेड़ बचाओ।
पेड़ की रक्षा करो - वे तुम्हारी रक्षा करेंगे।
पानी की बर्बादी रोको - पानी की बचत करो।
खाने से पहले, खाने के बाद, हाथ-पैर धोओ।
वातावरण को स्वच्छ बनाओ - स्वास्थ्य की रक्षा करो।

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

SCERT TELANGANA

हम – हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

परिसर विज्ञान

संपादक

प्रोफेसर वी. सुधाकर

अंग्रेज़ी, विदेशी भाषाओं का विश्वविद्यालय (EFLU), हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी

प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. आर. जगदीश्वर गौड

प्राचार्य, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, आदिलाबाद

विषय विशेषज्ञ

श्री सुवर्ण विनायक

समन्वयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री अलेक्स एम. जॉर्ज

एकलव्य, मध्य प्रदेश

श्री कमल महेंद्रु

विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर

सलाहकार – लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं प्रकाशन समिति

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. सुधाकर
निदेशक,
पाठ्यपुस्तक प्रकाशन विभाग,
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार का प्रकाशन, तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana, Hyderabad

First Published 2012
New Impressions 2013, 2014, 2015, 2017,2018, 2019,2020

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

Printed in India
at the Telangana Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

हम सभी सामाजिक प्राणी हैं। समाज के रीति–रिवाजों, परंपराओं, जीवन शैली का पालन करने और उसके अनुरूप बनने के कारण जीवन व्यापन कर पा रहे हैं। इसके लिए बालकों में उनके चारों ओर के परिसर का ज्ञान होना आवश्यक है। प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान शीर्षक से सीखा गया ज्ञान उच्च प्राथमिक, उच्च स्तर पर सामाजिक अध्ययन व विज्ञान के शीर्षक से और अधिक विस्तार से सीखने में सहायक होगा। प्राथमिक स्तर पर बालकों को अपने चारों ओर के परिसर के बारे में, परिसर के द्वारा परिसर ज्ञान के लिए अभ्यास करना पड़ता है। इस बीच नवीन पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया, किंतु शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के कारण पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता पड़ आसन्न हुई है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा–2005 (NCF), शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के मार्गदर्शक सूत्रों के अनुसार हमारे राज्य की पाठ्यक्रम रूपरेखा 2011 (APSCF) का निर्माण किया गया। इसके अनुसार प्रत्येक कक्षा के लिए शैक्षिक मापदंडों निर्धारित हुए हैं। इसकी उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की विषयवस्तु, पाठ्क्रम को ध्यान में रखकर तीसरी कक्षा के लिए ''हम – हमारे परिसर'' शीर्षक से परिसर विज्ञान की पाठ्यपुस्तक तैयार की गयी है।

इस पाठ्यपुस्तक में परिवार, मित्र जैसे लोगों के बीच संबंध, कार्य, खेल, जीव–जंतु, पौधे, आहार, पानी, आवास, यात्रा, हमारा गाँव, तैयार की जानी वाली वस्तुएँ जैसी विषयवस्तु से 16 पाठों का निर्माण किया गया है। सभी प्रांतों के बालकों को समझ में आने योग्य आसान भाषा, चित्रों, वास्तविक चित्रों को पाठ्यपुस्तक में स्थान दिया गया है। बालकों में होने वाली स्वाभाविक कौतूहलता, जिज्ञासा, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए अभ्यास, क्रियाकलाप दिये गये हैं। हर पाठ में बालकों को स्वयं समाचार इकट्ठा करके ज्ञान निर्माण करने के उपयुक्त निरीक्षण, अन्वेषण, समाचार कौशल से संबंधित क्रियाकलाप, परियोजना कार्य जैसे अभ्यास दिये गये हैं। सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए, क्रियाकलापों, अभ्यासों, प्रश्नों को हर पाठ अंतर्निहित किया गया है। पाठ की समाप्ति के बाद ''इन्हें करो'' शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। इनमें विषय की समझ, चित्र उतारना, रंग भरना, समाचार कौशल – परियोजना कार्य, प्रशंसा, प्रश्न करना जैसी दक्षताओं की प्राप्ति के अनुरूप चित्र संकेत भी हैं। उसी तरह पाठ से संबंधित मुख्य भावनाओं को ''मुख्य शब्द'' के रूप में दर्शाया गया है। पाठ के मुख्य बातों की पुनरावृत्ति के लिए ''हमने सीखा'' शीर्षक दिया गया है। बालक स्वयं अपना आकलन करने के अनुरूप ''क्या मैं ये कर सकता हूँ'' शीर्षक के माध्यम से स्वमूल्यांकन के अभ्यास भी दिये गये हैं।

इस पाठ्यपुस्तक में बालकों को सीधे–सीधे जानकारी दिये बिना, अपने आप सीखने के प्रति बल दिया गया है। इसके लिए अपने साथियों, अध्यापकों, माता–पिता, समाज के सदस्यों से चर्चा कर, क्रियाकलापों, सामूहिक क्रियाकलापों, व्यक्तिगत क्रियाकलापों में भाग लेने योग्य अभ्यास दिये गये हैं। परिसर के बारे में जानने के लिए बालक जब परिसर में जाते हैं तो उन्हें विभिन्नताओं की वैविध्यता समझने में सहायता मिलती है। समाज, परिसर में विभिन्नता एक स्वाभाविक अंश होने के कारण वे उनकी प्रशंसा कर सकते हैं। अपने आप को परिसर के अनुकूल बदलकर सामंजस्य की भावना का विकास कर पाते हैं।

इसके लिए अध्यापकों को चाहिए कि वे उपयुक्त सामग्री, योजनाओं का निर्माण करें। इस दृष्टिकोण पाठ्यपुस्तक मात्र साधन भर है। बालकों के अनुभवों, स्थानीय परिसर को एक मज़बूत संसाधन के रूप में लेकर पाठ्यपुस्तक और मज़बूत बनायेंगे, ऐसी आशा की जाती है। हमें विश्वास है कि इसके द्वारा बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास होकर उच्च अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में भाग लेने वाले अध्यापकों, प्राध्यापकों, चित्रकारों, डीटीपी, ले–आउट निर्माता, पाठ्यक्रम सदस्य सभी को अभिवादन देती हूँ। पाठ्यपुस्तक को सुंदर, आकर्षणीय, बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करने योग्य पुस्तक का निर्माण करने में दिशा–निर्देश देने वाले विषय विशेषज्ञों को विशेष अभिवादन प्रकट करती हूँ। संपादक वर्ग को भी धन्यवाद देती हूँ। भाषा की दृष्टि से संशोधन करने वाले श्री पोरंकी दक्षिणामूर्ति, अवकाशप्राप्त उपनिदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना हैदराबाद को विशेष धन्यवाद देती हूँ। यह पाठ्यपुस्तक भविष्य के शिक्षण योजनाओं, दक्षताओं की वृद्धि करने में सहायक होगी, ऐसी आशा करती हूँ।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

दिनांक : 27-03-2012
स्थान : हैदराबाद

SCERT TELANGANA

राष्ट्रगान

- रवींद्रनाथ टैगोर

जन–गण–मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग!
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा!
उच्छल जलधि–तरंग!
तव शुभ नामे जागे!
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन–गण–मंगलदायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!!

प्रतिज्ञा

- प्रैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई–बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान–भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान–भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता–पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव–जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सुवर्ण विनायक, समन्वयक, एस.सी.ई.आर.टी., हैदराबाद
श्री मेड़ा हरिप्रसाद, जेड.पी.एच.एस. आकुलमल्ला, संजामला मंडल, कर्नूल
श्री के. लक्ष्मीनारायण, प्राध्यापक, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, अंगलूरु, कृष्णा
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर
श्री श्री बी. रामकृष्णा, एस.ए., जी.जी.एच.एस. नल्लागुट्टा (न्यू), सिकंद्राबाद, हैदराबाद
श्रीमती वंगीपुरम स्वर्णलता, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पाता पट्टीसम, पश्चिमी गोदावरी
श्री एन. सी. जगन्नाथ, एस.जी.टी., जी.एच.एस. कुलुसुम पुरा, हैदराबाद
श्री के. उपेंदर राव, एस.जी.टी., पी.एस. तुर्कपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री ई. डी. मधुसुदन रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. (ब्वायज़) कोस्गी, महबूबनगर
कुमारी शालिनी, विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान
श्री के. वी. सत्यनारायण, एम.आर.पी., गरिडेपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री शेख़ ब्रह्माजी शा, एस.जी.टी., पी.एस. चिन्नताल्लपालेम, रामचंद्रापुरम मंडल, पूर्वी गोदावरी
डॉ. आर. सतीश बाबू, पी.एस. बुर्कपिट्टा तांडा, सूर्यापेट मंडल, नलगोंडा

समन्वयन

श्रीमती डी. विजयलक्ष्मी, प्राध्यापक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर

हिंदी अनुवाद समन्वयन

डॉ. पी. शारदा, समन्वयक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद (समन्वयक)
श्रीमती प्रेमलता नथाने, अवकाशप्राप्त प्राध्यापिका, हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद (संपादक)
श्री सुरेश कुमार मिश्रा "उरतृप्त", जेड. पी. एच. एस. पसुमामुला, रंगारेड्डी (सहायक)

हिंदी अनुवादक

श्रीमती एन. हेमलता, जेड.पी.एच.एस. रागन्नागुड़ा, हयातनगर, रंगारेड्डी
डॉ. सविता, बंसीलाल बालिका विद्यालय, बेगम बाज़ार, हैदराबाद

चित्रकार

श्री. कूरेल्ल श्रीनिवास, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोचमपल्ली, नलगोंडा
श्री बी. किशोर कुमार, एस.जी.टी., यू.पी.एस. अल्वाला, अनुमला मंडल, नलगोंडा
श्री सय्यद अहमदुल्ला, ड्राइंग अध्यापक, जी. एच. एस. काज़ीपेट, वरंगल

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- बालकों को चाहिए कि वे अपने चारों ओर के बारे में परिसर के बारे में समझें। उस परिसर से सांमजस्य करना चाहिए। अन्वेषण के माध्यम से परिसर के बारे में अपनी अवधारणा बढ़ानी चाहिए। इसीलिए प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान की पुस्तक का हमने "हम–हमारे परिसर" शीर्षक रखा है।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु के आधार पर राज्य की परिस्थितियों के अनुरूप पाठ्क्रम, विषयवस्तु तैयार की गयी है।
- हमारे परिवार के बीच संबंधों, कार्यों, खेलों, जीव–जंतुओं, पौधों, आहार, पहनावा, आवास, यात्रा, पानी, तैयार की जाने वाली वस्तुएँ, गाँव नामक विषयवस्तु के आधार पर पाठ्यविषयवस्तु का निर्माण किया गया है।
- इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। पहली इकाई में तीन पाठ, दूसरी इकाई में पाँच पाठ, तीसरी इकाई में पाँच पाठ, चौथी इकाई में तीन पाठ हैं।
- हर पाठ में बालकों को आसानी से समझने के लिए अनुकूल चित्र दिये गये हैं। हर पाठ दैनिक जीवन के संदर्भों, घटनाओं अथवा बालक के परिचित अनुभवों से प्रारंभ होता है।
- किसी भी पाठ को पढ़ाते समय बालकों से बातचीत करवानी चाहिए। उनके अनुभवों पर चर्चा करवानी चाहिए। इससे संबंधित मुख्य प्रश्नों से पाठ आरंभ करना चाहिए।
- बालकों के लिए निरीक्षण करने योग्य, साथी बालकों / परिवार के सदस्यों / बड़ों/समाज के सदस्यों से जानकारी इकट्ठा करने, इकट्ठा की गयी सामग्री को तालिका रूप में तैयार करने, साथी बालकों के साथ चर्चा करने, छोटे–छोटे प्रयोग करने, अन्वेषण, परियोजना कार्य से युक्त अभ्यास दिये गये हैं।
- इस पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करना है। अतः इस कार्य को पूरी तरह कक्षा कार्य मानकर समूह में, व्यक्तिगत तौर पर करने योग्य क्रियाकलाप दिये जाने चाहिए। इनका आयोजन करने योग्य चित्र संकेत भी दिये गये हैं। इन्हें उपयोगी सामग्री का इस्तेमाल करते हुए आयोजित करना चाहिए।
- अभ्यासों का उद्देश्य न केवल बालक के सीखे गये ज्ञान की जाँच करना है, बल्कि उनके अनुभवों, सृजनात्मक सोच को विकसित करना भी है। अतः सभी बालकों को भाग लेने का अवसर देना चाहिए।
- हर पाठ में *इन्हें करो* शीर्षक से शैक्षिक मापदंडों को ध्यान में रखते हुए अभ्यास दिये गये हैं। इन्हें बालक समूह तथा व्यक्तिगत तौर पर करना चाहिए।
- हर पाठ के अंत में *मुख्य शब्द* दिये गये हैं। ये शब्द संबंधी पाठ के मुख्य शब्द होते हैं। पाठ पूरा होते ही मुख्य शब्द के प्रति बालकों की धारणा बढ़ानी चाहिए। उसी तरह *हमने सीखा* शीर्षक से पाठ की मूल बातें बतायी गयी हैं। इन्हें बालकों द्वारा पढ़ाना चाहिए। इसका उद्देश्य पाठ की पुनरावृत्ति करना है।
- पाठ के अंत में *क्या मैं ये कर सकता हूँ?* शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। उसके अंशों को बालक स्वयं सीखे, इसके लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। इनमें कक्षा के अस्सी प्रतिशत बालक करने पर ही अगला पाठ प्रारंभ करना चाहिए।
- सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए हर पाठ में प्रश्न / क्रियाकलापों को अंतर्निहित किया गया है। उसी तरह *क्या मैं ये कर सकता हूँ* का उद्देश्य बालकों का स्वमूल्यांकन करना है। हर पाठ समाप्त होते ही अभ्यासों में बताये अनुसार दक्षतावार बालकों की प्रगति का अंकन प्रगति पंजिका में करना चाहिए।
- जुलाई, सितंबर, दिसंबर, फरवरी महीनों में इकाई परीक्षाओं का मूल्यांकन, उसी तरह अक्तूबर, अप्रैल महीनों में सत्रांत परीक्षाओं का मूल्यांकन करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

तीसरी कक्षा परिसर विज्ञान – पाठ्यक्रम अंश

1. परिवार, परिवार के सदस्य, मित्र उनके बीच संबंध	परिवार के सदस्य, गुण, मुख आकार, परिवार के बारे में, तरह–तरह के परिवार
2. कार्य, खेल	परिवार के सदस्यों द्वारा किये जाने वाले काम, एक–दूसरे की सहायता करना, गाँव में काम करने वाले, उनकी आवश्यकताएँ, काम करने वाले बालक
	तरह–तरह के खेल, आवश्यकता, वस्तुओं के साथ खेले जाने वाले खेल, बिना वस्तुओं के खेले जाने वाले खेल, व्यक्तिगत तौर पर खेले जाने वाले खेल, समूह में खेले जाने वाले खेल, खेल के नियम, खेल भावना
3. जीव–जंतु	हमारे चारों के जीव–जंतु, पक्षी, उनके निवास, पालतू जानवर, भ्रमण पक्षी, क्या कैसे जाते हैं? जीवों के प्रति दया, कीट और उनसे होने वाली हानियाँ
4. पौधे	तरह–तरह के पेड़, घर में लगाये जाने वाले पेड़, उनके उपयोग, हमें क्यों पेड़ लगाना चाहिए? हमारे चारों ओर न उगने वाले पेड़, जलीय पौधे, मरुस्थलीय पौधे
	पत्तों के प्रकार (परिमाण, किनारे, सिरे, आकार, रंग), पत्तों का झड़ना, आहार के रूप में पत्ते, पत्तों से सजावट, पत्तों से आकारों की तैयारी, पत्तों से खेल, खाद गड्ढा
5. आहार	हमें आहार क्यों खाना चाहिए, आहार कहाँ से आता है, पकाकर खाये जाने वाले आहार, बिना पकाये खाये जाने वाले आहार, पकाने के ढंग में भिन्नता, तरह–तरह के पकवान बर्तन, उनके उपयोग
	विविध प्रांतों की आहार आदतें, जीव–जंतुओं की आहार आदतें, मिलकर भोजन करने से होने वाले लाभ, आयु के अनुरूप आहार की आदतें
6. हमारा गांव, मानचित्र कौशल	गाँव, गाँवों की संस्थाएँ – उपयोग, गाँवों में यातायात, गाँव में रहने वाले लोगों द्वारा किये जाने वाले काम
	मानचित्रों की समझ, मानचित्रों के चिह्नों की आवश्यकता, मानचित्र उतारने का ढंग, मानचित्र द्वारा जानकारी ग्रहण करना, कक्षाकक्ष, पाठशाला, गली, गाँव का मानचित्र उतारना
7. आवास	घर की आवश्यकता, घर के प्रकार, अस्थायी आवास, भिन्न प्रांतों के घर, अपार्टमेंट, घर की छतें
	घर सजाने के तरीके, साफ–सुथरा घर, घर में फूल के पौधे उगाना, घर की सुंदरता बनाये रखने के लिए सहयोग देना, हमारे काम स्वयं करना, अस्वच्छ घर, व्यर्थ पदार्थ कचरे के डिब्बे में डालना
8. हमारा द्वारा तैयार की जानेवाली वस्तुएँ, कपड़े	तरह–तरह के मिट्टी के खिलौने, मिट्टी के बनाये बर्तन, उनके उपयोग, मिट्टी से बनी मूर्तियाँ, घड़े की तैयारी, मिट्टी के बर्तनों की कमी, मिट्टी से तरह–तरह के खिलौने तैयार करना
	कपड़ों की आवश्यकता, कपड़ों के प्रकार, बच्चों द्वारा पहने जाने वाले, बड़ों द्वारा पहने जाने वाले, महिलाएँ व पुरुष पहनने वाले, मौसम के अनुसार पहने जाने वाले, कपड़े, वेश–भूषा, रीति–रिवाज, सिलाये हुए, रेडिमेड कपड़े, पेशे के हिसाब से कपड़े, धोए हुए कपड़े, कपड़ों पर डिजाइन
9. पानी	पानी की आवश्यकता, पानी के स्रोत, पानी जमा करना, मनुष्य, पशु–पक्षियों को पानी की आवश्यकता, स्वच्छ जल, गंदा जल, अच्छी आदतें, पानी की कमी, पानी की बचत
10. यातायात	यातायात, यातायात के लिए वाहनों की आवश्यकता, दूरी, आवश्यकता के अनुसार यात्रा करने के साधन, यातायात के साधनों का वर्गीकरण, यातायात में खतरे

SCERT TELANGANA

इस पुस्तक द्वारा बच्चे प्राप्त करने वाली अपेक्षित दक्षताएँ

तीसरी कक्षा की *हम – हमारे परिसर* शीर्षकीय पाठ्यपुस्तक द्वारा प्राप्त की जाने वाली अपेक्षित दक्षताएँ नीचे दी गयी हैं। इन्हें वर्ष की समाप्ति तक प्राप्त करना होगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक में पाठों का निम्न बातों से जोड़ते हुए शिक्षण प्रक्रिया आयोजित की जानी चाहिए।

(1) **विषय की समझ :** इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ से संबंधित विविध विषयों को बच्चे समझना चाहिए। इन्हें दैनिक जीवन से जोड़ना चाहिए। समझना चाहिए। उदाहरण बता सकना, गुणों के अंतर बता सकना, वर्गीकरण कर सकना, समझाना, कारण बता सकना जैसे कार्य कर सकना चाहिए।

(2) **चित्र उतारना, रंग भरना मानचित्र कौशल्य :** बच्चे चित्र उतारने के माध्यम से विषय को समझा सकना चाहिए। इसके लिए पाठ्यविषयवस्तु से संबंधित चित्र उतारना, रंग भरना जैसे कार्य करना आना चाहिए। तीसरी कक्षा के बच्चों को अपने कक्षा कक्ष, पाठशाला, गली, गाँव आदि के मानचित्र उतारना आना चाहिए। मानचित्र के चिह्नों के आधार पर समाचार ग्रहण करना चाहिए।

(3) **प्रयोग कराना, बताना :** बच्चे छोटे–छोटे प्रयोगों द्वारा विषय समझकर समझा सकना चाहिए। उन्होंने प्रयोग कैसे किया, क्या–क्या इस्तेमाल किया, क्रमानुसार बताना चाहिए।

(4) **समाचार कौशल – परियोजना कार्य :** बच्चे दूसरों को पूछने द्वारा, देखने द्वारा, पढ़ने द्वारा समाचार ग्रहण करते हैं। इस तरह ग्रहण किया गया समाचार तालिका में लिखना चाहिए। समाचार तालिका देखकर विश्लेषण कर सकना चाहिए। निर्धारण, साधारणीकरण कर सकना चाहिए। पाठों में दिये गये परियोजना कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्हें कक्षा में प्रदर्शित करना चाहिए।

(5) **प्रश्न करना :** बच्चे को अपने द्वारा देखे गये, सुने गये विषयों, संदर्भों, परिसर के बारे में प्रश्न करना आना चाहिए।

(6) **प्रशंसा :** बच्चों में अच्छी सोच का विकास करना चाहिए। जीव–जंतुओं, पौधों, अपने चारों ओर समाज के व्यक्तियों में होने वाली महत्ता को पहचानना चाहिए। प्रशंसा कर सकना चाहिए। दया, सहयोग की भावना, सहानुभूति, मिलकर काम करना जैसे गुणों का विकास करना चाहिए। साथियों की प्रशंसा करना चाहिए। समाज में, परिसर में होने वाली वैविध्यता को पहचानकर प्रशंसा करनी चाहिए। अलग–अलग तरह के आहार की आदतों, जीवन शैलियों, संस्कृति महत्ता की प्रशंसा करना चाहिए। निजी साफ–सफाई, स्वास्थ्य आदतें अपनानी चाहिए। अपना काम खुद करने, परिवार के वृद्धों, विशेष आवश्यकतावालों की सहायता करने का गुण होना चाहिए।

SCERT TELANGANA

विषयसूची

1.	परिवार	जून	1
2.	कौन क्या काम करता है?	जुलाई	12
3.	आओ खेलें!	जुलाई	20
4.	जीव–उनके निवास	अगस्त	27

5.	हमारे चारों ओर के पौधे	अगस्त	39
6.	पत्तों से लगाव	सितंबर	48
7.	हमारा आहार !	सितंबर	59
8.	आहार की आदतें	सितंबर	70
9.	हमारा गाँव	अक्तूबर	78
10.	तरह–तरह के घर	नवंबर	86
11.	साफ–सुथरा घर ही सुंदर घर	नवंबर	94
12.	चिकनी मिट्टी का कमाल	नवंबर	101
13.	रंग–बिरंगे कपड़े	दिसंबर	108
14.	मैं यहाँ – आप कहाँ?	जनवरी	115

15.	पानी – हमारी आवश्यकताएँ	फरवरी	123
16.	गाँव चलें	फरवरी	134
	पुनरावृत्ती	मार्च	

SCERT TELANGANA